खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में बैतूल की धमक

प्रदेश हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

आगामी 26 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित हो रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में बैतूल जिले के खिलाड़ियों का जबरदस्त दबदबा देखने को मिल रहा है। इस प्रतियोगिता में बैतूल के पांच खिलाड़ी मध्य प्रदेश हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जो पूरे जिले के लिए गर्व का विषय बन गया है। पुरुष वर्ग में पिंटू उईके, पलास कावरे और रोहित कुमरे का चयन हुआ है, जबकि महिला वर्ग में कुमारी भूमिका पांडरे और कुमारी देवश्री का चयन हुआ है।

इन खिलाड़ियों का एक साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उतरना यह साबित करता है कि जनजातीय क्षेत्र के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें मंच मिलने की जरूरत थी। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 ने यह मंच प्रदान किया है और बैतूल के खिलाड़ी इस अवसर को पूरी ताकत के साथ भुनाने के लिए तैयार हैं। सीनियर हॉकी खिलाड़ी राकेश और रंजीत को ऑफिशियल की जिम्मेदारी हॉकी इंडिया द्वारा बैतूल जिले के सीनियर हॉकी खिलाड़ी राकेश आथनकर और रंजीत यादव को इस प्रतियोगिता में ऑफिशियल के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। यह सम्मान इस बात का संकेत है कि बैतूल का हॉकी खेल अब सिर्फ स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहा, राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुका है। खिलाड़ियों के चयन पर पूर्व खिलाड़ी प्रदीप खंडेलवाल, हॉकी संघ बैतूल के अध्यक्ष अक्षय वर्मा, सचिव जगेन्द्र सिंह तोमर, रमेश भाटिया, जिला खेल अधिकारी पूजा कुरील, विभाषवर्धन पांडे, देवेन्द्र पाटिल, सुधीर जैन, शैलेष गुबरेले, धर्मेन्द्र गोठी, मुकेश वर्मा सहित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

नवीन शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से, सभी प्राचार्य करें पूरी तैयारी:सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन

पीपुल्स प्रवक्ता नर्मदापुरम।

जिला नर्मदा पुरम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के समस्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक एवं हाई स्कूलों के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों, प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक गुणवत्ता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ श्री जैन ने निर्देश दिए कि 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो रहे। नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए सभी विद्यालय पूर्ण रूप से तैयार रहें। उन्होंने ÷प्रवेश उत्सव÷ को उत्साहपूर्वक मनाने पर विशेष जोर देते हुए विद्यालयों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, आकर्षक सजावट, रंगोली, पेंटिंग एवं सेल्फी पॉइंट तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं पालकों को आमंत्रित कर कार्यक्रम को जनभागीदारी से सफल बनाने के लिए कहा गया। बैठक में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में विविध गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए गए। तिथिवार कैलेंडर के अनुसार निबंध, पोस्टर, रंगोली प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, पेयजल स्रोतों की सफाई, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं शुद्ध पेयजल व्यवस्था हेतु प्याऊ स्थापना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सीईओ ने विकासखंड स्तर पर प्राप्त पाठ्यपुस्तकों एवं साइकिलों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही वितरण की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज करने के लिए कहा गया।

बैठक में कक्षा 9वीं एवं 11वीं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए मई माह में आयोजित होने वाली द्वितीय परीक्षा हेतु विशेष कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए। संयुक्त संचालक श्री मनीष वर्मा ने निर्देशित किया कि 1 अप्रैल से सभी विद्यालयों में नियमित कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा शासन द्वारा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग विद्यार्थियों के हित में प्रभावी रूप से किया जाए। प्राचार्यों को अपने विद्यालय के साथ संकुल अंतर्गत सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की भी सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एलेन प्रजापति ने लंबित MPTAAS एवं समेकित छात्रवृत्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने, हमारे शिक्षक एप पर शिक्षकों की 100 प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित करने तथा 24 मार्च से प्रारंभ प्रवेश प्रक्रिया को 31 मार्च तक शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी विद्यालय में ड्रॉपआउट

की स्थिति न बनने देने पर विशेष बल दिया। जिला परियोजना समन्वयक श्री राजेश जायसवाल ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणामों में क्रमशः 3 प्रतिशत एवं 4 प्रतिशत की वृद्धि पर सभी संकुल प्राचार्यों एवं शिक्षकों को बधाई दी तथा आगामी सत्र में भी इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन को बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी तथा जिला शिक्षा कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों ने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि वे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि 1 अप्रैल से ही जिले में बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

खबर संक्षेप

जवाहर नवोदय विद्यालय में विज्ञान एवं गणित क्लब के अंतर्गत कृषि विषय पर विशेष सत्र आयोजित

पीपुल्स प्रवक्ता हटा।

जवाहर नवोदय विद्यालय हटा में विज्ञान एवं गणित क्लब गतिविधियों के अंतर्गत कृषि एवं विज्ञान विषय पर एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह के प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार अहिरवार द्वारा विद्यार्थियों को कृषि के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ. अहिरवार ने कृषि का पर्यावरण संरक्षण में महत्व, आधुनिक कृषि शिक्षा, अनुसंधान की भूमिका तथा कृषि क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अरविंद सिंह, शिक्षक एन.के. नायक, रेखा सोनी एवं भारती मैडम सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

श्रीराम जन्मोत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र

तेंदूखेड़ा। रामनवमी के पावन अवसर पर नगर में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आयोजित इस पर्व को लेकर नगर में कई दिनों पूर्व से ही भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया था। चैत्र नवरात्रि के आरंभ के साथ ही घर-घर भगवा ध्वज लहराते दिखाई दिए तथा ÷जय श्रीराम÷ के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसकी तैयारियां विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा लगभग दो माह पूर्व से प्रारंभ कर दी गई थीं। रविवार सायं 5 बजे नगर स्थित श्रीराम मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बस स्टैंड, तारादेही तिराहा, ब्लॉक परिसर स्थित पंचवटी मंदिर, वार्ड क्रमांक 10 एवं 9 तथा सुपर मार्केट क्षेत्र से होकर पुनः श्रीराम मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान जी की सजीव एवं मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

मनोकामना पूरी हुई तो 40 डिग्री तापमान में बलखंडन माता के दरबार में दंडवत करते पहुंचते हैं हजारों भक्त

विशाल रजक
पीपुल्स प्रवक्ता तेन्दूखेड़ा

दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की दिनारी ग्राम पंचायत के दसोंदी गांव में बलखंडन खेर माता विराजमान हैं जहां चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि को श्रद्धालु उघारे होकर दंड भरते हुए माता के दरबार में पहुंचते हैं यह परंपरा सैकड़ों वर्ष से निभाई जा रही है दसोंदी गाँव में प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है शुक्रवार को यहां श्रद्धालु अपने गांव से दंड भरे हुए माता के दरबार तक पहुंचे। बता दें कि इस गांव में 90 प्रतिशत मुस्लिम समाज के लोग रहते हैं जो इस दिन आयोजन को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग करते हैं।

दसोंदी खेरमाई नाम से प्रसिद्ध है स्थानः तेंदूखेड़ा मुख्यालय करीब 35 किमी दूर स्थित दसोदी गांव है यह तेंदूखेड़ा जनपद की दिनारी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है यहां बिराजी देवी को दसोंदी बाली खेरमाई के नाम से जाना जाता हैं जो दसोंदी सहित आसपास के ग्रामीणों के लिये अटूट आस्था का केंद्र हैं। प्रतिवर्ष इस गांव में चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय मेला भरता है यहां पर

भक्त चैत्र नवरात्र के पहले दिन से खेरमाई के नाम का घट अपने दिवाले पर रखते हैं और नवमी के दिन माता के चरणों मे समर्पित करते हैं साथ ही श्रीफल लेकर गृहग्राम से दंड भरकर देवी माता के स्थान तक जाते हैं शुक्रवार को सैकड़ों भक्त एक साथ दंड भरते हुये दसोंदी माल कि खेरमाई की जय जयकार करते हुए पहुंचे। **तपती धूप अटूट विश्वास:** भर दोपहरी में जब सूरत आग उगल रहा था तब यहां पर माता बलखंडन के भक्त अपनी मन्नत पूरी होने पर एक तौलिया लपेटे दंडवत करते हुए कंकड़ पत्थरों से भरे रास्तों पर हर दंड के साथ उनकी भक्ति और विश्वास और भी प्रबल होता गया भक्तों के चेहरे पर कोई थकान नहीं बल्कि मां के दर्शन की उत्सुकता साफ झलक रही थी कई श्रद्धालु नौ दिनों का व्रत रखकर यही आकर अपना व्रत खोलते है यहां पर आस्था का अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिलता है जहां पहाड़ी के पथरीले रास्ते पर हजारों श्रद्धालु दंडवत करते हुए मां के दरबार पहुंचते हैं जहां तपती जमीन पर नंगे पैर खड़ा होना भी मुश्किल होता है लेकिन मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु केवट एक तौलिया लपेटे पूरे शरीर को धरती से स्पर्श करते हुए आगे बढ़ते रहे हर और जय माता दी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। **मुस्लिम समाज करती है सहयोगः** ग्राम पंचायत दिनारी के सरपंच प्रतिनिधि भोजराज जैन ने बताया कि बलखंडन माता जो कि खेरमाई देवी स्थान उनकी पंचायत में आता है। एक वर्ष में नवमी के दिन यहां पर मेला भरता है लोगों में बलखंडन खेरमाई के प्रति ऐसी भक्ति और आस्था है कि भक्त 38-40डिग्री तापमान में भी दंड भरते हुए दरवार पहुंचे हैं इस गांव में 90 प्रतिशत मुस्लिम समाज के लोग रहते हैं जो पूरी आस्था के साथ इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करते हैं

जहां धार्मिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है मुस्लिम समुदाय के लोग भी पूरे उत्साह से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सहयोग में लगे रहते नजर आते हैं इस तरह से खेरमाई स्थान तक जाने से लोगों के घर में सुख, शांति बनी रहती है, फसलों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता और मांगी मन्नत पूरी होती है। यह आयोजन सैकड़ों वर्षों से होता आ रहा है जो और परंपरा के अनुसार, आज भी मनाया गया।

28 मार्च को किया जाएगा विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

पीपुल्स प्रवक्ता बनखेड़ी।

जिला नर्मदा पुरम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 28 मार्च (शनिवार) को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम द्वारा वृहद विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। जिसका उद्देश्य आम जनता विशेषकर कमजोर वर्गों को उनके कानूनी अधिकारों, मुक्त कानूनी सेवाओं की उपलब्धता एवं विभिन्न नालसा की योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाकर शासन की विभिन्न योजनाओ का लाभ प्रदान करना है। उक्त शिविर में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, इत्यादि द्वारा स्टॉल लगाकर विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी व श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन, पात्र व्यक्तियों के लिए आयुष्मान कार्ड, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण इत्यादि सुविधाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत के लाभ व मध्यस्थता की जानकारी प्रदान की जाएगी। सभी श्रमिक बंधु, बुजुर्ग, महिला, बच्चे व ऐसे व्यक्ति जो भी ऐसे मामले को लोक अदालत अथवा मध्यस्थता के माध्यम से निपटाया जा सकता है। शिविर की अधिक जानकारी के लिए नालसा टोल फ्री नं. 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

उपभोक्ता फोरम का फैसला विद्युत विभाग द्वारा सेवा में कमी क्षतिपूर्ति का आदेश

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग दमोह म.प्र. के द्वारा प्र.कें. 123/25 विनीश श्रीवास्तव बनाम डिवीजनल इंजीनियर म.प्र.वि.वि.कं. दमोह एवं प्र. कं. 133/25 सतीश कुमार नायक बनाम डिवीजनल इंजीनियर म.प्र.वि.वि.कं. दमोह के विरूद्ध उपभोक्ता फोरम प्रकरणों में उपभोक्ताओं ने परिवाद इस आशय का पेश किया कि परिवादी विनीश कुमार श्रीवास्तव द्वारा विद्युत बिलों का लगातार भुगतान किये जाने के बाद भी तकनीकि फाल्ट होने के कारण मीटर बंद होने से मीटर रीडिंग कर्ताओं द्वारा मीटर की रीडिंग न लेने के बाद भी बंद मीटर का बिल दिया गया जिसका परिवादी द्वारा भुगतान भी किया गया तथा उक्त विषय में जांच हेतु आवेदन भी दिया परन्तु विद्युत विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न करते हुए पुनः बंद मीटर का अत्यधिक बिल दे दिया तथा शिकायत के कारण दुर्भावनावश नया स्मार्ट मीटर भी परिवादी की अनुपस्थित में परिवादी के घर बिना अनुमति लगा दिया।

शिकायत करने पर कोई कार्यवाही नहीं की गई तथा विद्युत बिल 17346/-रूपये का दे दिया गया जिस कारण परिवादी ने बिल जमा नहीं किया जिस पर विद्युत विभाग द्वारा परिवादी की विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई तथा विद्युत बंद होने के बाद भी जुलाई 2025 में परिवादी को 29800 रूपये एवं अगस्त में 32466 का बिल थमा दिया। जिस कारण परिवादी विनीश श्रीवास्तव एवं सतीश नायक ने एक परिवाद अपने अधिक्ता श्री पंकज खरे के माध्यम से उपभोक्ता फोरम दमोह में पेश किया। जिसमें

परिवादी एवं अनावेदक विद्युत कंपनी द्वारा अपने-अपने संपूर्ण साक्ष्य पेश किये उसके बाद उपभोक्ता फोरम दमोह द्वारा विद्युत विभाग की सेवा में कमी पाई गई तथा परिवादीगण के पक्ष में फैसला सुनाया जिसमें विनीश श्रीवास्तव वाले प्रकरण में बिल में खपत रीडिंग के आधार पर बिल जमा करने का आदेश दिया एवं पुराने बिल की राशि निरस्त कर दी तथा यह भी उल्लेखनीय आदेश किया कि विद्युत कनेक्शन का प्रकार घरेलू है जिस कारण तीन फेस मीटर की आवश्यकता है या नहीं यह भी स्पष्ट किया तथा परिवादी को सेवा में कमी के मद में 9000/-रूपये पृथक से भुगतान करने का आदेश दो माह के भीतर किया है। इसी प्रकार अन्य प्रकरण सतीश कुमार नायक बनाम डिवीजनल इंजीनियन म.प्र.वि.वि.कं. लिमि. में भी परिवाद स्वीकार कर आदेश दिया है कि सतीश कुमार नायक को विद्युत कंपनी द्वारा जुलाई 2025 में राशि 12663/-रूपये का बिल निरस्त किया जाये तथा नया बिल औसत के आधार पर जारी किया जाये तथा जो सरचार्ज लिया है।

मोह में 'आचार्य भरतमुनि प्रसंग' सम्पन्न, गायन, वादन एवं नृत्य में भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं के दर्शन

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन ङ्क दमोह के सहयोग से नाट्यशास्त्र के रचयिता आचार्य भरतमुनि की स्मृति में प्रतिष्ठित 'आचार्य भरतमुनि प्रसंग' का आयोजन मानस भवन, दमोह में गुरुवार की शाम को किया गया। इस अवसर पर गायन, वादन एवं नृत्य की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं के दर्शन हुए। इस अवसर पर पहली प्रस्तुति सुश्री श्वेता गुंजन जोशी, धार की गायन की रही। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के आरंभ के लिए राग मधुवंती का चयन किया।

इस मधुर और कोमल राग को श्वेता की सुरीली आवाज में सुनना श्रोताओं के लिए आनन्ददायी अनुभव रहा। उन्होंने मध्य लय त्रिताल की बंदिश जय दुर्गे भवानी माता.... के साथ राग के सौंदर्य को प्रस्तुत किया। इसके बाद राग अहीर भैरव एवं बैरागी भैरव (मिश्र राग) में महिषासुर मर्दिनी स्तोत्रम अयगिरी नंदिनी.... जिसे आदि शंकराचार्य द्वारा रचा गया, को प्रस्तुत कर दिव्य वातावरण बना दिया। श्रीरामनवमीं के पावन अवसर को ध्यान में रखते हुए श्वेता ने पायो जी मैंने राम रतन.... एवं राग भीम पलासी में हम कथा सुनाते राम सकल गुण धाम की.... के साथ गायन को विराम दिया। उनके साथ तबले पर डॉ. रवीन्द्र टांक एवं हारमोनियम पर श्री अरविंद टांक ने संगत दी। अगली सभा वादन आधारित थी, जिसमें पंडित प्रसन्नजीत पोद्दार एवं साथी, कोलकाता द्वारा वाद्यवृंद की प्रस्तुति दी गई।

इस प्रस्तुति में तबले पर श्री प्रसन्नजीत पोद्दार एवं उनके शिष्य श्री गिरुपदा दास और श्री रिद्म पोद्दार थे, वहीं मृदंगम पर श्री बिदवान पी.वी. सांईराम, श्रीखोल पर श्री चंदन चटर्जी, हैंडसॉनिक पर श्री देवब्रत घोष, हारमोनियम एवं गायन में श्री बिजॉय मंडल एवं सारंगी पर प्राणकृष्ण सांई थे। कलाकारों ने ताल वाद्य आधारित इस प्रस्तुति में तीन ताल पर वादन प्रस्तुत किया। दक्षिण एवं उत्तर भारतीय संगीत शैलियों के इस सुंदर ताने-बाने ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति रायगढ़ घराने की सुविख्यात नृत्यांगना एवं चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपाल की गुरु अल्पना वाजपेयी की कथक नृत्य की रही। उनके साथ गुरु ङ्क शिष्य परम्परा के तहत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के चक्रधर नृत्य केन्द्र में कथक नृत्य की शिक्षा ग्रहण कर रहे शिष्यों ने भी नृत्य प्रस्तुति दी। पहली प्रस्तुति कृष्ण वंदना की रही, जिसके बोल भजे ब्रजैक नन्दनम.... थे, यह रचना पंडित बिरजू महाराज द्वारा संगीतबद्ध की गई है। इसके बाद शुद्ध कथक नृत्य के अंतर्गत तीन ताल में थाठ, आमद, मिश्र जाति परण, तोड़े-टुकड़े, गत निकास, कवित्त एवं रायगढ़ घराने की दल बादल परणों को प्रस्तुत कर तकनीकी पक्ष को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। तीसरी प्रस्तुति तिरवट की रही, जिसके बोल थे रसराज गावत सब मिल बजावत.... थे। अगली प्रस्तुति कथक का अभिन्न अंग अभिनय में ठुमरी की थी।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में जिले की बड़ी उपलब्धि, तीन करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि स्वीकृत- कलेक्टर श्री कोचर

30 अप्रैल 2026 तक भेजा जाएगा परियोजना प्रस्ताव

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा दमोह जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री कोचर ने बताया कि इस संबंध में भारत सरकार, नीति आयोग एवं राज्य नीति आयोग से आधिकारिक पत्र प्राप्त हो चुका है। पत्र में निर्देशित किया गया है कि इस राशि के उपयोग हेतु जिले द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार कर 30 अप्रैल 2026 तक प्रस्तुत किया जाए।

उन्होंने बताया कि प्रभारी सचिव के मार्गदर्शन में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से परामर्श कर शीघ्र ही प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा, ताकि इस राशि का प्रभावी उपयोग जिले के विकास कार्यों में किया जा सके। कलेक्टर श्री कोचर ने इस उपलब्धि को जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताते हुए सभी को बधाई एवं धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी की मेहनत और समर्पण के कारण ही यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन का प्रयास रहेगा कि वर्ष 2026 में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले के लिए और अधिक संसाधन प्राप्त किए जाएं, जिससे विकास कार्यों को नई गति मिल सके।

आंखों देखी:इस छात्रावास की कोई माई-बाप नहीं

क्षतिग्रस्त हालत में बाबा साहेब की आदमकद मूर्ति, जिम्मेदार कौन?

पीपुल्स प्रवक्ता बैतूल।

जिला मुख्यालय स्थित सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास इन दिनों बदहाल व्यवस्था और लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। छात्रावास परिसर में स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद मूर्ति आज क्षतिग्रस्त अवस्था में खड़ी है, जो जिम्मेदारों की संवेदनहीनता को उजागर कर रही है। छात्रावास अधीक्षक नारायण सिंह नगदे की लापरवाही के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है। कभी जिले में मॉडल छात्रावास के रूप में पहचान रखने वाला यह परिसर आज उपेक्षा का शिकार बन चुका है। यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो परिसर में स्थापित जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा भी इसी हाल में पहुंच सकती है।

मॉडल छात्रावास से बदहाली तक का सफर: एक समय था जब यह छात्रावास हरियाली, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं के लिए जाना जाता था। प्रवेश द्वार से लेकर पूरे परिसर में पेड़-पौधे, फल-सब्जियां, झूले, पवन चक्की और आकर्षक लाइटिंग इसकी पहचान थे। पूर्व अधीक्षकों के कार्यकाल में यहां नियमित देखरेख, रंग-रोगन और संरक्षण होता था। लेकिन वर्तमान में हालात पूरी तरह बदल चुके हैं– बाबा साहेब की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, पवन चक्की ध्वस्त, परिसर में रखरखाव का अभाव, व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमराई यह सब सीधे तौर पर अधीक्षक की निष्क्रियता को दर्शाता है। अंबेडकर अनुयायियों में उबाल,मामले को लेकर अंबेडकर अनुयायियों में भारी रोष है।

ऑल इंडिया एसटीएससी ओबीसी माइनॉरिटी महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र बंटी वासनिक ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा– बाबा साहेब की क्षतिग्रस्त प्रतिमा को तत्काल ठीक किया जाए, अन्यथा यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा। उन्होंने स्वयं स्थल का निरीक्षण कर इसे अत्यंत गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उनके साथ कई सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी कड़ी नाराजगी जताई।बिरसा मुंडा प्रतिमा पर भी संकट जानकारी के अनुसार, लगभग 4-5 वर्ष पूर्व छात्रावास परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई थी। इसका निर्माण एक छात्रा द्वारा किया गया था, जिसका खर्च तत्कालीन अधीक्षक द्वारा वहन किया गया था। आज जिस तरह बाबा साहेब की प्रतिमा उपेक्षा का शिकार हुई है, उसी राह पर बिरसा मुंडा की प्रतिमा भी जा सकती है। खास बात यह है कि जिले के इस एकमात्र छात्रावास में ही उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित है। जो जनजातीय गौरव का प्रतीक है। जिम्मेदारी तय हो, कार्रवाई जरूरी यह केवल एक प्रतिमा का क्षतिग्रस्त होना नहीं, बल्कि महापुरुषों के सम्मान और सामाजिक भावनाओं से जुड़ा गंभीर विषय है। अब सवाल यह उठता है कि– क्या अधीक्षक की जवाबदेही तय होगी। क्या जनजाति कार्य विभाग कार्रवाई करेगा। या फिर लापरवाही यूं ही जारी रहेगी। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह मुद्दा और बड़ा रूप ले सकता है। (समाचार का उद्देश्य जिम्मेदारों को जगाना है–अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है।)